



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 506]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 12, 1999/आश्विन 20, 1921

No. 506]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 12, 1999/ASVINA 20, 1921

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(परिवहन कक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 1999

सा.का.नि. 700 (अ).— केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 का संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिनका केन्द्रीय सरकार मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त अधिनियम की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतिया जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, पैंतालीस दिन की अवधि के अवसान के पश्चात विचार किया जाएगा ;

आक्षेप या सुझाव, संयुक्त सचिव (परिवहन), जल भूतल परिवहन मंत्रालय, परिवहन भवन, नई दिल्ली-110001 को भेजे जा सकते हैं ।

उक्त प्रारूप नियमों की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेप या सुझाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

प्रारूप नियम

केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1999

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1999 है ।

(2) ये राजपत्र में उनके अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय मोटरयान (संशोधन) नियम, 1989 में, नियम 115 क के पश्चात निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

115ख. संपीड़ित प्राकृतिक गैस द्वारा चालित यानों के लिए द्रव्यमान उत्सर्जन मानक- यानों के लिए द्रव्यमान उत्सर्जन मानक जब वे संपीड़ित प्राकृतिक गैस पर प्रचालित हों, हाइड्रोकार्बन के स्थान पर गैर मीथेन हाइड्रोकार्बन रखा जाएगा । गैर मीथेन हाइड्रोकार्बन का विश्लेषक द्वारा या निम्नलिखित सूत्र द्वारा प्राक्कलन किया जा सकता है, अर्थात् :-

एन एम एच सी

= एच सी $\times (1 - \text{क}/100)$

जहाँ एच सी
के

= मापा गया कुल हाइड्रोकार्बन
= प्राकृतिक गैस ईंधन में प्रतिशत मिथेन अंतर्वस्तु ।

प्रतिनिर्देश ईंधन के रूप में उपयोग की जाने वाली संपीड़ित प्राकृतिक गैस में मिथेन की अंतर्वस्तु 70% से कम नहीं होगी ।

(i) ओ.ई.फिटिंग वाले गैसोलीन यानों के लिए : कुल हाइड्रोकार्बन के स्थान पर “गैर मिथेन हाइड्रोकार्बन” के साथ लागू होने वाले प्रचलित किस्मों के अनुमोदन मान।

(ii) उपयोग में लाए जाने वाले यानों के लिए :

(क) अप्रैल 1992 से पूर्व विनिर्मित और संपीड़ित प्राकृतिक गैस कीट लगे हुए उपयोग में लाए जाने वाले यान 01-04-1992 को यथालागू गैसोलीन यान के लिए विहित उत्सर्जन मानों को पूरा करेंगे । संपीड़ित प्राकृतिक गैस किट के प्रयोजनों के लिए किट प्रदायकर्ता निकृष्टतम मानदंड सिद्धांत पर आधारित इन नियमों के नियम 126 के अधीन प्राधिकृत किसी परीक्षण अभिकरण से प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा उदाहरणार्थ - यदि संपीड़ित प्राकृतिक गैस किट वर्ष 1985 में विनिर्मित यान के विशिष्ट माडल का है और संपीड़ित प्राकृतिक गैस रीति में अप्रैल 1992 गैसोलीन “सी.ओ.पी.” मानों को पूरा करता है तो ऐसे किट के प्रदायकर्ता को वर्ष 1985 से अप्रैल 1992 के दौरान विनिर्मित यानों के ऐसे माडल पर फिटिंग के लिए नया प्रमाणपत्र लेने से छूट प्राप्त होगी । सी.ओ.पी. के प्रयोजनों के लिए ऐसी किट के लिए किट प्रदायकर्ता/विनिर्माता निकृष्टतम मामला मानदंड के आधार पर प्रत्येक 3 वर्ष के पश्चात किट के उक्त प्रमाणपत्र का नवीकरण करवाएगा ।

(ख) अप्रैल 1992 में या उसके पश्चात विनिर्मित यानों के लिए किट विनिर्माता/प्रदायकर्ता गैसोलीन के लिए प्रचलित किस्मों के अनुमोदन मानों को पूरा करने वाले निकृष्टतम मानदंड सिद्धांत पर आधारित किट की उपयुक्तता के लिए प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा ।

(iii) ओ.ई.फिटिंग वाले डीजल यानों के लिए : कुल हाइड्रोकार्बन के स्थान पर “गैर मिथेन हाइड्रोकार्बन” के साथ लागू होने वाले प्रचलित किस्मों के अनुमोदन मान।

(iv) उपयोग में लाए जाने वाले डीजल यानों के लिए : उपयोग में लाए जाने वाले डीजल यानों को जब संपीड़ित प्राकृतिक गैस पर प्रचालन के लिए रूपांतरित किया जाता है तो वे डीजल यानों के लिए वर्ष 1996 के किस्म अनुमोदन मानों और उपरोक्त मद (ii) के उपमद (क) में यथाविनिर्दिष्ट प्रक्रिया को पूरा करेंगे । ऐसे रूपांतरित यान ऐसी सड़क योग्यता अपेक्षाओं को भी पूरा करेंगे जो इन नियमों के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा अधिकथित की जाए ।

स्पष्टीकरण :

1. “उपयोग में लाए जाने वाले” यानों पर ओ.ई. फिटिंग और अनुरूपीकरण के लिए अनुमोदन किस्म की जिम्मेदारी क्रमशः यान विनिर्माता और किट विनिर्माता/आयातकर्ता की होगी ।
2. अनुरूपीकरण के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस किट की अनुमोदन किस्म जारी किए जाने की तारीख से 3 वर्ष के लिए विधिमाम्य होगी और जो प्रत्येक 3 वर्ष के पश्चात नवीकरणीय होगी ।
3. संपीड़ित प्राकृतिक गैस पर समर्पित प्रचालन के लिए रूपांतरित ऐसे चौपहिया/तिपहिया/दुपहिया यानों को तथा जिनमें क्रमशः 5 लीटर/3 लीटर/2 लीटर क्षमता से अनधिक की गैसोलीन टकी साथ में लगी हुई हो, द्रव्यमान उत्सर्जन/क्रैंक कैश उत्सर्जन/भाप उत्सर्जन परीक्षण से छूट प्राप्त होगी ।
4. उपरोक्त नियमों के प्रयोजनों के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रयोग में लाए जाने वाले यानों में संपीड़ित प्राकृतिक गैस किट का अनुरूपीकरण नियम 126 में यथाविनिर्दिष्ट परीक्षण अभिकरण द्वारा अनुमोदित कर्मशालाओं द्वारा किया जाएगा ।

[फा. सं. आर.टी.-11011/15/99-एम.बी.एल.]

के.आर. भाटी, संयुक्त सचिव

टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 590 (अ) तारीख 2-6-1989 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और उनका अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. सा.का.नि. 627 (अ) तारीख 8-9-99 द्वारा किया गया ।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT**(Transport Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 12th October, 1999

G.S.R. 700(E).— The following draft rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 110 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) is hereby published as required by sub-section (1) of section 212 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of this notification as published in the Gazette of India are made available to the public;

The objections or suggestions may be addressed to the Joint Secretary (Transport), Ministry of Surface Transport, Transport Bhavan, New Delhi – 110 001

The objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES**THE CENTRAL MOTOR VEHICLES (AMENDMENT) RULES, 1999**

1. (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (Amendment) Rules, 1999
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989, after rule 115 A, the following rule shall be inserted, namely:-

115 B. MASS EMISSION STANDARDS FOR COMPRESSED NATURAL GAS DRIVEN VEHICLES.— Mass emission standards for vehicles when operating on Compressed Natural Gas shall replace Hydrocarbon by Non Methane Hydrocarbon. NMHC may be estimated by an analyzer or by the following formula, namely:-

$$\text{NMHC} = \text{HC} \times (1 - K/100)$$

Where HC

= total hydrocarbons measured.

K

= % Methane content in natural gas fuel.

Methane content in Compressed Natural Gas to be used as reference fuel shall not be less than 70%

(i) For gasoline vehicles with OE fitment: Prevalent type approval norms to be applicable with "Non Methane Hydrocarbon" in place of total Hydrocarbon.

(ii) For in-use vehicles:

- (a) The in-use vehicles manufactured prior to April, 1992 and fitted with CNG kits shall meet the emission norms prescribed for gasoline vehicle as applicable on 01-04-1992. For purposes of CNG kit approval the kit supplier shall obtain the certificate from any of the test agencies authorized under Rule 126 of these rules based on worst criteria principle e.g.- If the CNG kit is on particular model of vehicle manufactured in the year 1985 and meets the April, 1992 gasoline 'COP' norms in CNG mode, supplier of such a kit would be exempted from having a fresh certificate for fitment on such model of vehicles manufactured during the year 1985 to April, 1992. For purposes of COP for such a kit the kit supplier/manufacturer shall have the certificate of the kit, renewed after every 3 years, on the worst case criteria basis.

(b) For vehicles manufactured in or after April, 1992, the kit manufacturer/supplier shall obtain a certificate for the fitness of the kit based on worst criteria principle, meeting prevalent type approval norms for gasoline.

(iii) **For diesel vehicles with OE fitment:** Prevalent type-approval norms for diesel vehicles to be applicable with "Non Methane Hydrocarbon" in place of total Hydrocarbon.

(iv) **For in use diesel vehicles:** The In-use diesel vehicles when converted for operation on CNG, shall meet year 1996 type approval norms for diesel vehicles and procedure as specified in sub-item (a) of item (ii) above. Such converted vehicles shall also meet road-worthiness requirements as may be laid down by the Central Government. under these rules.

Explanation:

1. For OE fitment and retrofitment on "In-Use" vehicles, the responsibility of Type Approval shall be that of the vehicle manufacturer and kit manufacturer/importer respectively.
2. The Type Approval of CNG kit for retrofitment shall be valid for three years from the date of issue, renewable after every three years.
2. Four-wheeled/three-wheeled/two-wheeled vehicles converted for dedicated operation on CNG and fitted with a standby gasoline tank not exceeding 5 ltr/ 3 ltr/ 2 ltr capacity respectively, shall be exempted from mass emission/crank case emission/evaporative emission test.
4. For purposes of above rules, it is clarified that the retrofitment of CNG kits in In-use vehicles, shall be carried by workshops approved by a test agency as specified in Rule 126.

[F. No. RT-11011/15/99-MVL]

K.R. BHATI, Jt. Secy.

Note : The Principal rules were notified vide notification number GSR 590(E) dated 2-6-1989 and were last amended vide notification number GSR 627(E) dated 8-9-99.